कक्षा–12 NCERT राजनीति विज्ञान (समकालीन विश्व राजनीति)

अध्याय–02 (दो ध्रुवीयता का अंत / The End of Biopolarity) नोट्स भाग–2

Youtube Channel Name : Siddhi Vinayak Sangaria

Channel Link- https://www.youtube.com/channel/UCJlUDM0uPIL7kEO0ZMdDcHg

Telegram link - https://t.me/siddhivinayaksangariamukesh (Siddhi Vinayak Sangaria)

Political Science Video Playlist Link-

https://www.youtube.com/watch?v=T1_JmzbsaAM&list=PLIlq5TfwxGWF7iVqpMJgSuc6OVr8kERaU

---

1. बर्लिन की दीवार गिरना, घटना कब घटी?

(1) 1987 (2) 1988
(3) 1989 (4) 1990

2. सोवियत प्रणाली को कब अपनाया गया?

(1) 1989 ई. में (2) 1971 ई. में (3) 1917 ई. में (4) 1918 ई. में

3. निम्नलिखित में से कौन–सी गोर्बाचेव की सुधार प्रणालियाँ हैं?

(1) ग्लास्नोत (2) पेरेस्त्रोइका
(3) उसक्रोनी (4) ये सभी

4. येल्तसिन के नेतृत्व में किन तीन गणराज्यों द्वारा सोवियत संघ की समाप्ति का अंत किया?

(1) यूक्रेन (2) रूस
(3) बेलारूस (4) ये सभी

5. निम्नलिखित में से कौन–सा एक शॉक थेरेपी का परिणाम नहीं है?

(1) खाद्यान्न आयात (2) रूसी मुद्रा के मूल्य में गिरावट
(3) सुरक्षा परिषद् का गठन (4) जर्जर अर्थव्यवस्था

6. 1991 में सोवियत संघ का विघटन क्यों हुआ था?

(1) सोवियत संघ की राजनीतिक तथा आर्थिक संस्थाएँ लोगो की आकांक्षाओं को पूरी नहीं कर सकी
(2) संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रभुत्व बढ़ता जा रहा था
(3) बहुत से देश सोवियत संघ के विरोधी थे
(4) उपरोक्त सभी

7. रूसी क्रांति को प्रेरित करने वाली विचारधारा कौन–सी थी?

वर्ष 1917 में हुई रूसी क्रांति को प्रेरित करने वाली विचारधारा समाजवाद के आदर्शों तथा समतामूलक समाज की थी। इस क्रांति के जन्मदाता ब्लादिमीर लेनिन को माना जाता है।

8. सोवियत राजनीतिक प्रणाली की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

सोवियत राजनीतिक प्रणाली की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

1. राजनीतिक प्रणाली का केंद्रबिंदु साम्यवादी पार्टी थी।
2. अर्थव्यवस्था नियोजित एवं राज्य के नियंत्रण में थी।

9. पेरेस्त्रोइका और ग्लास्नोत का क्या अर्थ है?

1. **पेरेस्त्रोइका** गोर्बाचेव की सुधार प्रणाली थी, जिसमें किसी भी प्रकार के परिवर्तन का प्रारंभ दबाव की जगह सहमति से होने पर बल दिया था।
2. **ग्लास्नोत** वर्ष 1985 में गोर्बाचेव ने सुधार के लिए ज्ञान प्रसार को महत्त्व देना शुरू किया था।

10. सोवियत संघ का विघटन कब हुआ तथा इस समय सोवियत संघ का राष्ट्रपति कौन था?

सोवियत संघ का विघटन वर्ष 1991 में हुआ था। इस समय सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव थे।

Youtube Channel: Siddhi Vinayak Sangaria

A little progress everyday ..... adds up to a big results.

11. शॉक थेरेपी का मॉडल किसके द्वारा निर्देशित था?

शॉक थेरेपी का मॉडल विश्व बैंक एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के द्वारा निर्देशित था।

12. रूस के कौन–से दो गणराज्यों में अलगाववादी आंदोलन हुए?

रूस के दो गणराज्यों चेचन्या और दागिस्तान में अलगाववादी आंदोलन हुए।

13. सोवियत संघ के विघटन के बाद क्या परिणाम हुए?

सोवियत संघ के विघटन के बाद निम्नलिखित परिणाम सामने आए–

- द्वि–ध्रुवीयता का अंत हो जाने से शीतयुद्ध की समाप्ति हो गई। अमेरिका और सोवियत संघ के बीच जारी विचारधारात्मक लड़ाई का अंत हो गया।
- विश्व व्यवस्था के शक्ति संतुलन में बदलाव आया।
- स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रकुल का सृजन हुआ आदि।

14. सोवियत संघ जैसी व्यवस्था को विश्व के संजीदा लोगों द्वारा सराहने का क्या कारण था ?

सोवियत संघ जैसी व्यवस्था को विश्व के संजीदा लोगों द्वारा सराहने के निम्न कारण थे–

1. **विशालता के बावजूद एकता**– सोवियत संघ 15 गणराज्यों से मिलकर बना एक विशाल देश था। इस विशालता के बाद भी इसमें एकता थी। इसका साम्यवादी शासन इस एकता को एक सूत्र में बाँध रहा था और यही इसकी धुरी भी थी।
2. **योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था**– विश्व के संजीदा लोगों ने सोवियत व्यवस्था को इसलिए भी सराहा, क्योंकि यहाँ की अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध थी और यह पूरी तरह राज्य के नियंत्रण में थी।
3. **समाजवादी प्रणाली**– सोवियत संघ के सभी देशों में समाजवादी प्रणाली लागू थी। इस कारण भी विश्व के संजीदा लोगों ने इस व्यवस्था को सराहा।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि सोवियत संघ की समाजवादी प्रणाली और नियोजित अर्थव्यवस्था ऐसे दो प्रमुख आधार रहे, जिनके कारण विश्व के संजीदा लोगों ने इस व्यवस्था को सराहा।

15. ''सोवियत संघ का अंत समाजवाद का अंत नहीं है।'' क्या यह संभव है?

हाँ, यह संभव है, क्योंकि सोवियत संघ का अंत समाजवाद का अंत नहीं हो सकता। सोवियत संघ एक व्यवस्था थी, जो 15 गणराज्यों से मिलकर बनी थी। यह एक महाशक्ति के रूप में जानी जाती थी, जो अमेरिका के समकक्ष थी। इस व्यवस्था में समाजवाद (सत्ता का सामूहिक रूप होने का सिद्धांत) की प्रधानता थी। यह एक विचारधारा है। वर्ष 1991 में साथी गणराज्यों में राष्ट्रवाद की भावना उपजने के बाद सोवियत संघ का विघटन हो गया। यह विघटन सोवियत संघ का हुआ था, समाजवाद का नहीं। ''विचारधारा का कभी अंत नहीं होता।''आज भी यह विचारधारा कई देशों में जीवित है।

Class – 12th NCERT राजनीति विज्ञान के प्रत्येक अध्याय को अच्छे से समझने के लिए सिद्धि विनायक संगरिया यू–ट्यूब चैनल पर आप वीडियो देखें। इसके लिए आपको चैनल की प्ले–लिस्ट NCERT POL SCIENCE|2021-22|Class 12 (https://www.youtube.com/watch?v=T1_JmzbsaAM&list=PLIlq5TfwxGWF7iVqpMJgSuc6OVr8kERaU) में अध्यायवार सभी वीडियो एकसाथ मिलेंगे। आप भी पढ़ें और अपने साथियों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

धन्यवाद

सिद्धि विनायक संगरिया टीम

Youtube Channel : Siddhi Vinayak Sangaria